मि.सं. 62-7/2018.सीयू-।।
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
.....

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक 16 सितम्बर, 20121

सेवा में,

श्री नीतीश मिश्रा,
पूर्व मंत्री, बिहार,
112, कौटिल्य नगर,
पटना-800014

विषय: कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर दरभंगा को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने के बारे में।

कृपया आप अपने पत्र दिनांक 2.8.2021 का अवलोकन करें जो कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर दरभंगा को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने के संबंध में है।

2. इस संबंध में निवेदन है कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना एक सतत प्रक्रिया है। विदित है कि राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा अनुमोदित 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) से उच्चतर शिक्षा प्रणाली के समेकन पर ज़ोर दिया गया है। विस्तार मुख्य रूप से नई संस्थाएं स्थापति करने के बजाय मौजूदा संस्थाओं की क्षमताओं को बढ़ा कर किया जाना है।

3. जहां तक राज्य विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालयों में परिवर्तित करने की बात है इस मंत्रालय ने विरासत मुद्दों, मौजूदा कर्मचारियों के समायोजन और कॉलेजों के असंबद्धता जैसे मामलों को ध्यान में रखते हुए ऐसा नहीं करने का नीतिगत निर्णय लिया है।

4. केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की परिकल्पना क्षेत्रीय असंतुलन का निवारण करने के लिए मुख्यत: गति निर्धारक संस्थाओं के रूप में की गई जो क्षेत्र में अन्य संस्थाओं का शैक्षणिक नेतृत्व करेंगी। 'शिक्षा' के समवर्ती विषय होने के कारण, राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में उच्चतर शिक्षा में क्षेत्रीय असंतुलन के मुददे का निवारण करने के लिए विभिन्न पहलें कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, निजी विश्वविद्यालय/संस्थाएं भी इस संबंध में अहम भूमिका निभा रही हैं।

5. आशा है आप नीतिगत बाध्यताओं को समझेंगें।

भवदीय,

16/9/21

(डॉ. विनीत जोशी)
अपर सचिव, भारत सरकार

नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 261/2021
Dt-2-8-2021

आदरणीय मंत्री महोदय,

विषयः–**मिथिला की धरती पर अवस्थित कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर दरभंगा को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने के संबंध में।**

माता सीता की जन्मस्थली, विदेह राजा जनक, अष्टाबक्र जैसे मूर्द्धन्य विद्वान भारती मिश्र, मंडन मिश्र, आदिकवि विद्यापति एवं अयाची मिश्र की धरती मिथिला अपने बौद्धिक तथा आधात्मिक ज्ञान से भारतवर्ष को हजारों वर्षों से प्रकाशित कर रही है। जो ज्ञान रूपी प्रकाशपूँज इस भूमि के द्वारा समस्त संसार को दिया गया है। इसके समान अन्य ज्ञानपूँज उसके समकक्ष पूर्ति हेतु कहीं भी उपस्थित नहीं होता है।

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर दरभंगा का अधिकारिता क्षेत्र स्थापना काल से संपूर्ण भारतवर्ष था। वर्त्तमान में यह बिहार राज्य का एकमात्र संस्कृत विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 26 जनवरी 1961ई॰ को स्व॰ महाराजाधिराज डॉ॰ सर कामेश्वर सिंह की महनीय दानशीलता के फलस्वरूप और बिहार राज्य के तत्कालीन राज्यपाल डॉ॰ जाकिर हुसैन तथा तत्कालीन मुख्यमंत्री बिहार केशरी डॉ॰ श्री कृष्ण सिंह के सौजन्य से The Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit Vishvavidyalay Act, 1960 (Bihar Act VI of 1960) के अधीन हुयी थी। वर्त्तमान में इस विश्वविद्यालय का संचालन अद्यतन संशोधित Bihar State Universities Act, 1976 (Bihar Act XXIII of 1976) और इस अधिनियम के अधीन बने परिनियमों, विनियमों, अध्यादेशों, नियमों और निर्गत निर्देशों के अनुसार हो रहा है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यताप्राप्त और A.I.U से सदस्यताप्राप्त इस विश्वविद्यालय को NAAC से प्रथम चक्र में 2006 से 2011ई॰ तक B++ Grade प्राप्त हुआ था और द्वितीय चक्र में 2016 से 2021ई॰ तक के लिए 2.70 CGPA के साथ 'B' Grade प्राप्त है।

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com
/NitishMishraOfficial @mishranitish www.jhanjharpur.co.in

दरभंगा में संस्कृत के वियापक प्रचार–प्रसार प्राच्य विद्या एवं संस्कृत के पुनर्जागरण की दिशा में भारतीय विद्या की विभिन्न शाखाओं में समुन्नत अनुसंधान एवं उच्च स्तरीय प्रकाशन के उद्देश्य से बिहार सरकार द्वारा 21 नवम्बर सन् 1951ई॰ में मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान दरभंगा की स्थापना की गई थी। वर्त्तमान समय में इस संस्थान से संस्कृत परास्नातक, पीएच॰डी एवं डी॰लिट की उपाधि प्रदान की जाती है। संस्थान ने संस्कृत पांडूलिपि का संग्रह बिहार राज्य में सबसे ज्यादा है। कुछ ऐसी दुर्लभ पांडूलिपि यहां उपलब्ध है जो भारतवर्ष में कहीं अन्यत्र नहीं है।

अतः अनुरोध है कि मिथिला की हृदयस्थली दरभंगा में अवस्थित कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर दरभंगा को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने हेतु समुचित विचार करना चाहेंगे।

सादर,

भवदीय

Nitish Mishra

(नीतीश मिश्रा) 2.8.21

सेवा में,
श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी,
माननीय शिक्षा मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।